INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

SAMPLE PAPER -1- 2020-21

CLASS-10 TIME-3 Hrs

SUB-HINDI (085) MARKS-80

खंड - अ (वस्तुपरक प्रश्न)

अपठित गद्यांश (10 अंक)

प्रश्न-1.निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 5 x 1=5

गद्यांश - ।

(क) कलाकार सौंदर्य प्रिय होता है । राष्ट्र पर मँडराती युद्ध की घनघोर घटाओं के बीच में कलाकार की वाणी ही बिजली की तरह पथ-प्रदर्शक बनती और गुमराह को राह दिखला जाती है ।

अंतर्तम की सुंदरतम अनुभूति को अभिव्यक्त करने की क्षमता ही कलाकार का आदर्श है । इसी में राष्ट्र-हितों की सम्यक साधना का समावेश कर देना एक अत्युच्च आदर्श है । किसी भी कलाकार का अध्ययन करने पर हमें ज्ञात होता है कि अपने समकक्षीय मानव के प्रति उसमें अद्भुत , किंतु मानवीय सहानुभूति अवश्य ओत-प्रोत रहती है । उसमें एक ऐसी प्रवृत्ति पाई जाती है जो मानव मात्र का कल्याण चाहती है और भेदभाव अथवा ऊँच-नीच के दूषित वातावरण की उसमें कहीं कोई गंध नहीं रहती ।

प्राचीन भारत के स्वर्णिम युग का अध्ययन करने से हमें विदित होता है कि जब संसार के अन्यान्य देश कला के नाम से सर्वथा अनभिज्ञ थे , तब हमारा देश कला की महत्ता को पूर्णतः समझता था । कला की रक्षा के लिए प्राचीन भारत ने कुछ उठा नहीं रखा था । क्या अमीरों और क्या फकीरों, सभी के लिए कला की आवश्यकता समान रूप से स्वीकार की जाती थी । यहाँ तक कि धार्मिक और राजनीतिक संघर्षों के समय भी कला का स्वरूप अक्षुण्ण रखा जाता था । कला का चतुर्मुखी विकास भारतवर्ष के प्रत्येक युग में हुआ और उसके विकास-पथ में किसी प्रकार का रोड़ा नहीं अटकाया गया । यही कारण है कि प्राचीन भारत का इतिहास हमारी तत्कालीन स्वतंत्रता का यश-गान अपने वक्ष से आज भी चिपकाए, हमें कला का वास्तविक सम्मान करने की प्रेरणा दे रहा है । यह बात दूसरी है कि इस प्रेरणा से हम प्रेरित हों या नहीं ।

किंतु खेद के साथ हमें यह स्वीकार करना पड़ता है कि कला के प्रति अर्वाचीन भारत का दृष्टिकोण बहुत कुछ बदलता जा रहा है । कला और कलाकारों की उपेक्षा अर्वाचीन भौतिक चकाचौंध के बीच हमारे देश में साधारण सी बात हो चुकी है । हमारे देश के बहुसंख्यक धनिक अपने ऐशोआराम में, व्यक्तिगत मौज में बड़ी-से-बड़ी रकमें खर्च करना जानते हैं लेकिन कला की रक्षा और कलाकारों की सहायता के नाम पर नाक-भौंह सिकोड़ते देखे जाते हैं ।

निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-

(1)कलाकार की वाणी में क्या शक्ति होती है ?

(i) लोगों को कलाप्रेमी बना देती है (ii) देश का दृष्टिकोण बदल देती है

(iii)पथ-प्रदर्शक बन गुमराहों को राह दिखाती है (iv) इनमें से कोई नहीं

(2)कलाकार का आदर्श क्या होता है?

(i) अंतर्तम की अनुभूति को अभिव्यक्त करने की क्षमता

(ii) अंतर्तम की अनुभूति को छुपाने की क्षमता

(iii)भौतिक चकाचौंध के बीच रहने की क्षमता

(iv) उपर्युक्त सभी

(3) प्राचीन भारत में कला का क्या स्थान था ?

(i) कला के विकास-पथ पर रोड़ा अटकाया गया (ii) कला का चतुर्मुखी विकास हुआ

(iii)कला का स्वरुप टूट चुका था (iv) कलात्मक जागृति का अभाव

(4)आज हमारे देश के बहुसंख्यक धनिक-

(i) ऐशोआराम में पैसे खर्च करना जानते हैं

(ii)व्यक्तिगत मौज में बड़ी-से-बड़ी रकमें खर्च करते हैं

(iii)कलाकारों की सहायता के नाम पर नाक-भौंह सिकोड़ते हैं

(iv)उपर्युक्त सभी सही हैं

(5)गद्यांश का उचित शीर्षक होगा -

(i) तत्कालीन स्वतंत्रता (ii) भौतिक चकाचौंध

(iii) कला का स्वरुप (iv) अनुभूति

अथवा - OR (गद्यांश-II)

(ख) बचपन की मिठास और यौवन की मादकता हम सब चाहते हैं , पर बुढ़ापे के निविड़ अंधकार की भयावहता कोई नहीं चाहता । दुख बड़ा हो या छोटा, अच्छा नहीं लगता पर सहना पड़ता है । जीवन का यह एक ऐसा कटु सत्य है कि आज तक दुख से कोई बचा नहीं । दुख बिन बुलाए आ जाता है और सुख आग्रह करने पर भी रहता नहीं ,चला जाता है । हम गए हुए सुख के लिए तरसते हैं आए हुए दुख से घबराकर बिलखते हैं और सुख पुनः आएगा इस तृष्णा में जीते हैं । ऐसी दयनीय दशा है हमारी । सोचने की बात यह है कि दुख वस्तुतः बुरा होता तो जीवन में आता क्यों ? हमारी दैनिक अनुभूति के अनुसार तो दुख जीवन का अभिशाप मालूम होता है । इसलिए कि अब तक हमने केवल दुख को भोगा है , इसका कभी सदुपयोग नहीं किया,अन्यथा जीवन में क्रांति आ गई होती । दुःख स्वयं में न तो प्रशंसनीय है और न निंदनीय है । यदि हम दुख के प्रभाव से प्रभावित होकर सचेत होते हैं तो दुख भी वरदान है । कामना-पूर्ति में सुख का और कामना आपूर्ति में दुख का भास होता है । आया हुआ दुख सुख में भी दुख का दर्शन करा दे तो यह दुख का प्रभाव है । दुःख का प्रभाव हमें सुख-दुख के बंधन से मुक्त करता है । दुख के प्रभाव से चेतना जागती है , जिससे दुख के कारण का पता चलता है । सुख के भोगी को दुख भोगना ही पड़ता है । कामना-पूर्ति को जीवन मान लेने पर कामना-आपूर्ति का घोर संताप भोगना पड़ता है । जिस पर दुख का प्रभाव हो जाता है वह किसी को दुख नहीं देता । वह तो पर पीड़ा से करुणित ही होता है । दुख से घबरा कर हम करणीय एवं अकरणीय कर्म कर बैठते हैं ,परिणाम में कई गुना दुख पाते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-

(1)जीवन का कटु सत्य है -

(i)सुख आग्रह करने पर आ जाता है (ii)आज तक कोई दुःख से बचा नहीं
(iii)जीवन में सुख ही सुख है (iv)दुःख सबको अच्छा लगता है

(2)जिस पर दुख का प्रभाव हो जाता है वह क्या करता है ?

(i)दूसरों के दुःख से खुश हो जाता है (ii) दूसरों के दुःख से दुखी हो जाता है
(iii)दूसरों की प्रशंसा करता है (iv) उपर्युक्त सभी

(3) कामनापूर्ति का अर्थ क्या है ?

(i) इच्छाओं को रोकना (ii) कामना अधूरी रह जाना
(iii) इच्छा पूरी होना (iv) नफ़रत फैलाना

(4) दुःख भी कब वरदान माना जाता है ?

(i) जब हम सुख से प्रभावित हो जाते हैं (ii) जब हम सुख-दुःख से प्रभावित हो जाते हैं
(iii)जब हम दुःख के प्रभाव से सचेत होते हैं (iv)जब हम सुख के भोगी बन जाते हैं

(5) दुःख से घबराकर हम क्या करते हैं ?

(i) कुकर्म करने लगते हैं (ii) दूसरों को दुःख देते हैं
(iii)दूसरों को सुख देते हैं (iv)करणीय एवं अकरणीय कर्म कर बैठते हैं

प्रश्न-2.नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं । किसी **एक** गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 5 x 1 = 5

गद्यांश - ।

(क)धन के तीन उपयोग हैं - भोग , दान और नाश । भोग करने से केवल क्षणिक आनंद की प्राप्ति होती है । यह धन का दुरुपयोग है । धन का सदुपयोग सुख और शान्ति देता है । धन के द्वारा किया गया सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य परोपकार के लिए दान है । भूखों को अन्न , नंगों को वस्त्र , रोगी को दवा , अनाथ को घर-द्वार और अपाहिजों के लिए आराम के साधन आदि वस्तुएँ धन के द्वारा जुटाई जा सकती है । धन रहने के कारण एक अमीर आदमी को लोगों की भलाई करने के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं , जो कि एक गरीब आदमी को उपलब्ध नहीं होते , चाहे वह इसके लिए कितना भी इच्छुक हो । संसार में ऐसे अमीर बहुत कम हैं जो अपना भोगविलास त्याग कर अपने धन को परोपकार में लगाते हैं । वे वास्तव में धन का सदुपयोग करते हैं । परंतु जो न धन का भोग करते हैं , न ही धन का दान करते हैं , उनके धन का नाश अवश्यंभावी है ।

निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-

(1) धन के कितने उपयोग हैं ?

(i) लोभ , काम और क्रोध (ii) लोभ , मोह और क्रोध

(iii) भोग, लोभ और मोह (iv) भोग , दान और नाश

(2) धन के भोग से कैसा आनंद प्राप्त होता है ?

(i) अपार आनंद (ii) स्थायी आनंद

(iii) क्षणिक आनंद (iv) दीर्घ आनंद

(3) भोग किसे कहते हैं ?

(i) विलास में धन का व्यय करने को (ii) परोपकार में धन का व्यय करने को

(iii) दान में धन का व्यय करने को (iv) इनमें से कोई नहीं

(4) धन का सदुपयोग क्या है ?

(i) भोग (ii) दान

(iii) योग (iv) नाश

(5) धन का नाश कब अवश्यंभावी है ?

(i) जब केवल भोग हो (ii) जब दान और भोग दोनों हो

(iii) जब न तो धन का भोग हो और न दान (iv) जब न तो योग हो न भोग

अथवा- OR (गद्यांश-II)

(ख) बातचीत का भी एक विशेष प्रकार का आनंद होता है । जिनको इस आनंद को भोगने की आदत पड़ जाती है , वे इसके लिए अपना खाना-पीना तक छोड़ देते हैं, अपना और नुकसान कर लेते हैं, लेकिन बातचीत से प्राप्त आनंद को खोना नहीं चाहते । अपने मन के भावों को दूसरों के सम्मुख प्रकट करने की और दूसरों के अभिप्राय को स्वयं ग्रहण करने का एकमात्र साधन शब्द ही है । बेन जानसन का यह कथन उचित प्रतीत होता है कि "बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है ।" एडिसन का मत है कि असली बातचीत सिर्फ़ दो में हो सकती है । जब तीन हुए तब वह दो की बात कोसों दूर चली जाती है । चार से अधिक की बातचीत केवल राम-रमौवल कहलाती है , इसलिए जब दो आदमी परस्पर बैठे बातें कर रहे हों और तीसरा वहाँ आ जाए तो वे दोनों निरस्त बैठ जाते हैं या फिर तीसरे को निपट मूर्ख और अज्ञानी समझने लगते हैं । इस बातचीत के अनेक भेद हैं । दो बुड्ढों की बातचीत प्रायः ज़माने की शिकायत पर हुआ करती है । नौजवानों की बातचीत का विषय जोश , उत्साह , नई उमंग , नया हौसला आदि होता है ।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-:

प्रश्न-(1) बातचीत की आदत के कारण लोग कैसा व्यवहार करते हैं ?

(i)लोग खाना-पीना छोड़कर अपना नुकसान कर लेते हैं ।

(ii)लोग परेशानी में रहकर भी जी लेते हैं ।

(iii)पागलों जैसा व्यवहार करने लगते हैं ।

(iv)अजीब हरकतें करने लगते हैं ।

(2) शब्द किसका साधन है ?

(i)विचारों को लिपिबद्ध करने का

(ii)रचनात्मक कार्यों का

(iii)मन के भावों को अभिव्यक्त करने का

(iv)पत्र व्यवहार का

(3) एडिसन के अनुसार असली बातचीत वह है -

(i)जो तीन व्यक्तियों के बीच होती है

(ii)जो दो या अधिक लोगों के बीच होती है

(iii)जो दो लोगों के बीच होती है

(iv)जो दो या अधिक आत्मीय लोगों के बीच होती है

(4) नौजवानों की बातचीत का विषय क्या होता है ?

(i) जोश (ii) उत्साह (iii) नई उमंग और नया हौसला (iv)उपर्युक्त सभी

(5) दो बूढ़ों की बातचीत का विषय होता है -

(i) दुनिया भर की जानकारी (ii) अज्ञानता

(iii) जमाने की शिकायत (iv) खेल-कूद

व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

प्रश्न-3.निम्नलिखित पाँच भागों में से **किन्हीं चार** भागों के उत्तर दीजिए:-

(क) <u>भागते हुए चोरों में से कुछ</u> पकड़े गए ।- वाक्य में रेखांकित पदबंध है - (1)

(i) संज्ञा पदबंध (ii) सर्वनाम पदबंध

(iii) क्रिया पदबंध (iv) विशेषण पदबंध

(ख) <u>पार्क में लगा ऊँचा खंभा</u> आँधी में गिर गया ।- वाक्य में रेखांकित पदबंध है - (1)

(i) विशेषण पदबंध (ii) सर्वनाम पदबंध

(iii) क्रिया- विशेषण पदबंध (iv) संज्ञा पदबंध

(ग) वाक्य _____ से बनता है । (1)

(i) शब्द (ii)स्वर (iii) व्यंजन (iv) पद

(घ) कछुआ <u>बिना रुके निरंतर</u> चलता रहा ।- वाक्य में रेखांकित पदबंध है - (1)

(i) विशेषण पदबंध (ii) क्रिया पदबंध

(iii) क्रिया- विशेषण पदबंध (iv) संज्ञा पदबंध

(च) 'घर के पीछे लगा हुआ पेड़ सूख गया है '- वाक्य में क्रिया पदबंध है - (1)

(i) घर के पीछे लगा हुआ (ii) घर के पीछे लगा हुआ पेड़

(iii) लगा हुआ पेड़ (iv) सूख गया है

प्रश्न-4- निम्नलिखित पाँच भागों में से **किन्हीं चार** भागों के उत्तर दीजिए:-

(क) मजूदर मेहनत करता है किन्तु उसके लाभ से वंचित रहता है |-वाक्य रचना की दृष्टि से है - (1)

(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य

(iii) मिश्र वाक्य (iv) सामान्य वाक्य

(ख)निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है - (1)

(i) पुलिस को देखते ही चोर भाग गया । (ii) भोर हुई और पक्षी चहचहाने लगे ।

(iii) सेठ जानता था कि नौकर ईमानदार है ।(iv) बच्चा दूध पीकर सो गया ।

(ग) निम्न में से सरल वाक्य का चयन कीजिए - (1)

(i)उसने कहा कि कार्यालय बंद हो गया । (ii) सूरज के डूबते ही अँधेरा छा गया ।

(iii)जो बड़े हैं उन्हें सम्मान दो । (iv) मैं पढ़ता हूँ और वह गाता है ।

(घ) 'यदि तुम मेहनत करोगे तो सफल हो जाओगे ।'-वाक्य भेद है - (1)

(i) सामान्य वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य

(iii) मिश्र वाक्य (iv) सरल वाक्य

(च)'जब तक वह घर पहुँचा तब तक उसके पिताजी जा चुके थे।'-आश्रित उपवाक्य का भेद है-

(i) संज्ञा आश्रित उपवाक्य (ii) विशेषण आश्रित उपवाक्य (1)

(iii)प्रधान आश्रित उपवाक्य (iv) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न-5- निम्नलिखित पाँच भागों में से **किन्हीं चार** भागों के उत्तर दीजिए:-

(क) **'**धनहीन' में कौन सा समास है ? (1)

(i) द्विगु समास (ii) द्वंद्व समास (iii) तत्पुरुष समास (iv) कर्मधारय समास

(ख) विशेषण और विशेष्य के योग से कौन-सा समास बनता है ? (1)

(i) द्विगु समास (ii)कर्मधारय समास (iii) तत्पुरुष समास (iv) द्वंद्व समास

(ग) 'अँधा है जो कूप'-का समस्त पद है - (1)

(i) अंधकूप (ii) अंधकूपा (iii) अंधाकूप (iv) कूपअंधा

(घ) 'चक्रधर'- समस्त पद का विग्रह होगा - (1)

(i)चक्र है जो धर (ii) चक्र का धर

(iii)चक्र को धारण करने वाला (iv) चक्र और धर

(च) अव्ययीभाव समास का उदाहरण है - (1)

(i) महापुरुष (ii) आजीवन

(iii) चंद्रशेखर (iv) चारपाई

प्रश्न-6- निम्नलिखित चारों भागों के उत्तर दीजिए:-

(क) 'अक्ल का दुश्मन' - मुहावरे का अर्थ है - (1)

(i) मित्र (ii) शत्रु (iii) महापंडित (iv) महामूर्ख

(ख) नाश कर देना - के लिए मुहावरा है - (1)

(i) पानी-पानी होना (ii) पानी भरना

(iii) पानी फेर देना (iv) घड़े का पानी

(ग)चोर पुलिस की _____ भाग गया l- उचित मुहावरा होगा - (1)

(i) अँगूठा दिखाना (ii) आँखों में धूल झोंकना

(iii) हेकड़ी जताना (iv) आँखें खुलना

(घ)अपने मित्रों में अचानक हुई लड़ाई को देख वह _____ l (1)

उचित मुहावरा चुनिए :-

(i) काम तमाम करना (ii) अपना ही राग अलापना

(iii) हक्का-बक्का रह जाना (iv) अगर-मगर करना

पाठ्य पुस्तक (14 अंक)

प्रश्न -7.निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए- 4 X 1=4

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए ,
विपत्ति ,विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए l
घटे न हेलमेल हाँ , बढ़े न भिन्नता कभी
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी l
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ll

(क) 'अभीष्ट मार्ग' का आशय है - (1)

(i) सत्य-मार्ग (ii) कठिन मार्ग
(iii) लक्ष्य (iv) इच्छित मार्ग

(ख) 'घटे न हेलमेल' -में किससे हेलमेल घटने पर चिंता प्रकट की गई है ? (1)

(i) मित्रों से (ii) शत्रुओं से
(iii) मनुष्यों से (iv) स्त्रियों से

(ग) 'अतर्क एक पंथ'- का आशय है - (1)

(i) तर्क न करना भी एक रास्ता है (ii) काँटों से भरा रास्ता
(iii) कठिनाइयों का रास्ता (iv) एकता का मार्ग निर्विवाद है

(घ)मनुष्य के सामर्थ्य की पहचान क्या है ? (1)

(i) वह स्वयं को तारे (ii) दूसरों को नष्ट पहुँचाए
(iii) वह दूसरों को तारे (iv) वह स्वयं भी तरे और दूसरों को भी तारे

प्रश्न-8 -निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:- 5 X 1 = 5

बाइबिल के सोलोमन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है , ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे l कहा गया है , वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे , सारे छोटे-बड़े पशु-पक्षी के भी हाकिम थे l वे इन सबकी भाषा भी जानते थे l एक दफ़ा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुज़र रहे थे l रास्ते में कुछ चींटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज़ सुनी तो डर कर एक-दूसरे से कहा, 'आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फ़ौज आ रही है l' सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चींटियों से बोले - 'घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है l मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सब के लिए मुहब्बत हूँ l' चींटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंजिल की ओर बढ़ गए l

(क)सुलेमान ईसा से कितने वर्ष पूर्व बादशाह थे ? (1)

(i) 1025 वर्ष पूर्व (ii) 1030 वर्ष पूर्व

(iii)1001 वर्ष पूर्व (iv) 1026 वर्ष पूर्व

(ख) सुलेमान हाकिम थे - (1)

(i) मानव जाति के (ii) पशु - पक्षियों के

(iii) दोनों के (iv) किसी के भी नहीं

(ग) चींटियाँ क्या सुनकर डर गई थीं ? (1)

(i) पक्षियों की चहचहाहट (ii) शेर की गर्जना

(iii) घोड़ों की टापों की आवाज़ (iv) सभी विकल्प

(घ) चींटियों को घबराया देखकर सुलेमान ने कहा - (1)

(i) मैं इस दुनिया का मालिक हूँ

(ii) मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ,सब के लिए मुहब्बत हूँ

(iii) मैं मानव जाति का राजा हूँ

(iv) इनमें से कोई नहीं

(च) 'लश्कर'- का अर्थ है - (1)

(i) मंत्री (ii) बादशाह (iii) नौकर (iv) फ़ौज

प्रश्न-9- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:- 5 X 1 = 5

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु पर्व' का आयोजन हुआ l पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है l वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं l बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है l शाम को सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे l धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए l तताँरा का मन इन कार्यक्रमों में तनिक न था lउसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं l नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे उसे जैसे कोई झाँकता दिखा l उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की l वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी उसकी आँखें तरल थीं lहोंठ काँप रहे थे l तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी l तताँरा विह्वल हुआ l उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था l रोने की आवाज़ लगातार ऊँची होती जा रही थी l तताँरा किंकर्तव्यविमूढ था l वामीरो के रूदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी l सारे गाँववालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा l

(क) पासा गाँव में पशु-पर्व का आयोजन किस प्रकार किया जाता था ? (1)

(i) हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन (ii) नवयुवकों की शक्ति की परीक्षा

(iii) नृत्य-संगीत और भोजन का आयोजन (iv) उपर्युक्त सभी

(ख) तताँरा का मन कार्यक्रम में क्यों नहीं लग रहा था ? (1)

(i) वह वामीरो के प्रेम में डूबा हुआ था (ii) संगीत अच्छा नहीं लग रहा था

(iii) भोजन पसंद नहीं आया (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) वामीरो के रोने का क्या कारण था ? (1)

(i) वह बीमार थी (ii) हृष्ट-पुष्ट पशुओं को देखकर डर गई

(iii) प्रेम और भय के द्वंद्व में असहाय हो गई (iv) उपर्युक्त सभी

(घ)वामीरो की माँ क्रोधित क्यों थी ? (1)

(i) उसे पशु-पर्व का न्योता नहीं मिला

(ii) उसे कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली

(iii) लोगों की उपस्थिति में वामीरो की प्रेमदशा अपमानजनक लगा

(iv) वामीरों ने उसके साथ बहस की

(च)वामीरो को देखकर तताँरा को क्या हुआ ? (1)

(i) वह उससे नफ़रत करने लगा (ii) वह भाव-विह्वल हो उठा

(iii) वह ख़ुशी से झूम उठा (iv) उपर्युक्त सभी

खंड-'ब'-वर्णनात्मक प्रश्न

पाठ्य पुस्तक और पूरक पाठ्य पुस्तक-(14 अंक) 2 X 2 =4

प्रश्न-10-निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:-

(क)वज़ीर अली की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए l (2)

(ख) 'कर चले हम फ़िदा'-कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है ? (2)

(ग) जापानियों को कौन-सी बीमारियाँ अधिक होती हैं और उसकी क्या वजह है ? 'झेन की देन'-पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए- (2)

प्रश्न-11- निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 60-70 शब्दों में दीजिए :- 1 X 4 = 4

'पर्वत प्रदेश में पावस'- कविता के आधार पर प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं ? स्पष्ट कीजिए l

प्रश्न-12- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:- 2 X 3 = 6

(क)हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे ? उन्होंने हरिहर काका के साथ कैसा बर्ताव किया ? (3)

(ख)विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए 'सपनों के-से दिन' पाठ में अपनाई गई युक्तियों और वर्तमान में स्वीकृत मान्यताओं के संबंध में अपने विचार प्रकट कीजिए l (3)

(ग)ओमा कौन था ? उसका रूप-स्वरुप कैसा था ? (3)

लेखन-(26 अंक)

प्रश्न-13-निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :- 1 X 6 = 6

(क) वाणी का महत्त्व

*मधुर वाणी और मित्रता

*मधुर वाणी के लाभ

*कटु वाणी का प्रभाव

(ख) यात्रा जिसे मैं भुला नहीं पाता

*कहाँ की यात्रा

*विशेष घटना का वर्णन

*अविस्मरणीय क्यों ?

(ग)स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम

*स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन

*नियमित व्यायाम आवश्यक

*स्वास्थ्य एक अनमोल धन

प्रश्न-14- अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को स्थानांतरण प्रमाणपत्र के लिए आवेदन-पत्र लिखिए l (5)

अथवा

जल भराव के कारण आपके इलाके में मच्छरों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए धर्मेन्द्र कुमार ,विकासपुरी,नई दिल्ली की ओर से नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए l (5)

प्रश्न-15-आप विद्यालय की संस्था 'संस्कृति' के अध्यक्ष मोहित तिवारी हैं l 15 दिसंबर,2020, शाम छे बजे एक कवि सम्मेलन का आयोजन है l आप चाहते हैं कि विद्यालय के सभी विद्यार्थी उसमें रुचिपूर्वक भाग लें l इस हेतु 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए l

अथवा

आप एक समाज सेवक हैं l आप अपनी कॉलोनी में एक सफ़ाई अभियान का आयोजन करना चाह रहे हैं l अतः अपनी सोसाइटी की दीवार पत्रिका पर लगाने के लिए एक सूचना पत्र तैयार कीजिए जिसमें इस अभियान के कार्यक्रम का पूर्ण ब्यौरा

दिया गया हो l

प्रश्न-16- बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के लिए आम जनमानस को प्रेरित करते हुए लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए l (5)

अथवा

देहरादून नगर के गंज बाज़ार में बच्चों के परिधानों का नया शोरूम खुला है l इस हेतु 25-50 शब्दों एक विज्ञापन तैयार कीजिए l

प्रश्न-17- 'यदि मैं साइकिल होता'-इस विषय पर 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए l

अथवा (5)

'ईमानदारी'-इस विषय पर 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए l

****